

Mar
3/10/97

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खंड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 304]
No. 304]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 28, 1997/श्रावण 6, 1919
NEW DELHI, MONDAY, JULY 28, 1997/SAVANA 6, 1919

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(पूँजी बाजार प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1997

सा. का. नि. 424(अ) :— भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 15L के साथ पठित धारा 15L द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा विधि एवं न्याय मंत्रालय, विधायी विभाग में संयुक्त सचिव एवं विधि सलाहकार श्री सौ. अन्युतन को उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से 5 वर्षों की अवधि के लिए अथवा उनकी आयु 65 (पैंसठ) वर्ष होने तक, जो भी पहले हो, प्रतिभूति अपील न्यायाधिकरण, मुंबई के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[एफ. सं. 5/30/सी. एम./95]

श्रू. शरत चन्द्रन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)
(Capital Market Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th July, 1997

G. S. R. 424(E) :—In exercise of the powers conferred by section 15L read with section 15N of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Central Government hereby appoints Shri C. Achuthan, Joint Secretary and Legal Adviser in the Ministry of Law and Justice, Department of Legal Affairs, as Presiding Officer of the Securities Appellate Tribunal, Mumbai for a term of five years from the date on which he enters upon his office or until he attains the age of 65 (sixty five) years, whichever is earlier.

[File No. 5/30/CM/95]
U. SARAT CHANDRAN, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1997

सा. का. नि. 425 (अ) :—भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 की धारा 15T द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित सारणी के स्तम्भ (1) में उल्लिखित स्थान पर एक प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण की स्थापना करती है जो उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में तदनुरूप प्रविष्टि में निर्दिष्ट मामलों तथा उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में निर्दिष्ट घानों के संबंध में न्यायाधिकार का प्रयोग करेगा :

सारणी

स्थान जहां प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण स्थापित किया गया है।	मामले, जिनके संबंध में प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण न्यायाधिकार का प्रयोग कर सकता है	स्थान, जिनके संबंध में प्रतिभूत अपीलीय न्यायाधिकरण न्यायाधिकार का प्रयोग कर सकता है
(1) मुम्बई	(2) भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 की धारा 15(न) के तहत अपील सुनना और आदेश पारित करना।	(3) सम्पूर्ण भारत

[फा. सं. 5/30/सा. एम./95]

गृ. शरत चन्द्रन, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th July, 1997

G. S. R. 425(E) :—In exercise of the powers conferred by section 15K of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, the Central Government hereby establishes a Securities Appellate Tribunal at the place mentioned in column (1) of the Table below, to exercise the jurisdiction in relation to the matters specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table and in relation to the places specified in column (3) of the said Table.

Table

Place at which Securities Appellate Tribunal is established	Matters in relation to which the Securities Appellate Tribunal may exercise jurisdiction	Places in relation to which the Securities Appellate Tribunal may exercise jurisdiction
(1) Mumbai	To hear appeal and pass orders under section 15T of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992	(3) Whole of India

[File No. 5/30/CM/95]
U SARAT CHANDRAN, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1997

सा. का. नि. 426(अ) :—केन्द्रीय सरकार भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 29 की उप-धारा (2) के खंड (घ ख) के साथ पठित धारा 15प की उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती हैः
अधीनतः—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ : (1) इन नियमों का नाम प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतन और भसे तथा सेवा की अन्य शर्तें) नियम, 1997 है ।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।
2. परिभाषा एवं : इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, —
(क) "अधिनियम" से भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) अभिप्रेत है, :
(ख) "अपीलीय न्यायाधिकरण" से भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 15त की उप-धारा (1) के अधीन स्थापित प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण अभिप्रेत है, :
(ग) "नियम" से प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतन और भसे तथा सेवा की अन्य शर्तें) नियम, 1997 अभिप्रेत है, :
(घ) उन अन्य सभी शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं, और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अधिनियम में होंगे ।
3. अपीलीय न्यायाधिकरण के अधिकारियों और कर्मचारियों का वेतन-अपीलीय न्यायाधिकरण के अधिकारियों और कर्मचारियों के स्वरूप तथा प्रवर्ग और उनके वेतनमान वही होंगे जो इन नियमों में संलग्न अनुसूची में विविदिष्ट होंगे ।
4. अपीलीय न्यायाधिकरण के अधिकारियों और कर्मचारियों की सेवा शर्तें-वेतन, भत्ते, शुद्धटी, कार्य ग्रहण की अवधि, कार्यग्रहण अवधि वेतन-भविष्य निधि, अधिकारियों की आयु, पेशन और सेवानिवृत्ति लाभों, विकितसीय सुविधाओं के मामले में अपीलीय न्यायाधिकरण के अधिकारी और कर्मचारियों की सेवा-शर्तें और अन्य सेवा शर्तें ऐसे अन्य नियमों और विनियमों के अनुसार विनियमित होंगी जो केन्द्रीय सरकार के, यथास्थिति समूह "क", समूह "ख", समूह "ग", और समूह "घ", के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए समय-समय पर लागू हैं और जो तत्समान वेतनमान प्राप्त कर रहे हैं ।

अनुसूची

क्रम सं.	पद का नाम	वेतनमान	पदों की संख्या
1.	राजस्टार	3700-125-4700-150-5000 रु.	1
2.	निजी मन्त्रिव	2000-60-2300-द. रो.-75-3200-100-3500 रु.	1
3.	हिन्दी अनुवादक	1400-40-1600-50-2300 द. रो.-60-2600 रु.	1
4.	उच्च ब्रेणी लिपिक	1200-30-1560-द. रो.-40-2040 रु.	1
5.	आशुलिपिक	1200-30-1560-द. रो.-40-2040 रु.	1
6.	निम्न ब्रेणी लिपिक	950-20-1150-द. रो.-25-1500 रु.	1
7.	अमादार	775-12-871-14-955-15-1030-20-1150	1
8.	चपरासी/फराश/झाड़कश	750-12-870-14-940	1
9.	ड्राईवर	950-20-1150-द. रो.-25-1500 रु.	1

[एफ सं. 5/30/सी. एम./95]

यू. शरत् चन्द्रन्, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th July, 1997

G.S.R. 426 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 15S read with clause (db) of sub-section (2) of section 29 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Central Government hereby makes the following rules, namely—

1. Short title and Commencement.—(1) These rules may be called the Securities Appellate Tribunal (Salaries and allowances and other conditions of service of the officers and employees) Rules, 1997.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(a) "Act" means the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992).

(b) "Appellate Tribunal" means the Securities Appellate Tribunal established under sub-section (1) of section 15K of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992).

(c) "Rules" means the Securities Appellate Tribunal (Salaries and allowances and other conditions of service of the officers and employees) Rules, 1997.

(d) all other words and expressions used and not defined in these rules but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. Salary of officers and employees of the Appellate Tribunal.—The nature and categories of the officers and employees of the Appellate tribunal and the scales of pay thereof shall be as specified in the Schedule appended to these rules.

4. The conditions of service of the officers and employees of the Appellate Tribunal.—The conditions of service of the officers and employees of an Appellate tribunal in the matter of pay, allowances, leave, joining time, joining time pay, provident fund, age of superannuation, pension and retirement benefits, medical facilities and other condition of service, shall be regulated in accordance with such other rules and regulations as are, from time to time, applicable to officers and employees of the Central Government belonging to Group 'A', Group 'B', Group 'C' and Group 'D' as the case may be and drawing the corresponding scales of pay.

SCHEDULE

Sl. No.	Name of Post	Scale of Post	No. of Posts
1	Registrar	Rs 3700-125-4700-150-5000	1
2	Private Secretary	Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500	1
3	Hindi Translators	Rs 1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600	1
4.	U.D.C.	Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040	1
5	Steno-typist	Rs 1200-30-1560-EB-40-2040	1
6	L.D.C	Rs 950-20-1150-EB-25-1500	1
7	Jamadar	Rs 775-12-871-14-955-15-1030-20-1150	1
8	Peon/Janitor/Sweeper	Rs 750-12-870-14-940	1
9	Driver	Rs 950-20-1150-EB-25-1500	1

[F. No. 5/30/M/95]

U. SARAT CHANDRAN Jr. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1997

सा. का. नि. 427 (अ) :—केन्द्रीय सरकार भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम योग्य अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 29 की उप-धारा (2) के खंड (भ ख) के साथ पठित धारा 15-ए द्वारा प्रदत्त राजतयों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अधीतः—

1. संक्षिप्त नाम और धाराएँ : (1) इन नियमों का नाम प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (पी. एमीन आदि कारी के लिए, पी.ए. एस. और संसा की अन्तर्वन्धन और शर्तें) नियम, 1997 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे ।

2. परिभाषाएँ : इन नियमों में, जब तक कि अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(क) अधिनियम से भारतीय प्रतिभूति एवं विनियोग बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) अभिप्रेत है ;

(ख) "पीठासीन अधिकारी" से अधिनियम की धारा 15 ठ के अन्तर्गत प्रतिभूति अपील न्यायाधिकरण के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त व्यक्ति अभिप्रेत है ;

(ग) "नियम" से प्रतिभूति अपील न्यायाधिकरण (पीठासीन अधिकारी के वेतन, भत्ते और मेशा के अन्य नियंत्रण और शर्तें) नियम, 1997 अभिप्रेत है ;

(घ) उन अन्य सभी शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं, और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अधिनियम में हैं ।

3. वेतन :—किसी प्रतिभूति अपील अधिकरण के पीठासीन अधिकारी को उतना वेतन संदर्भ किया जाएगा जो भारत सरकार के अपर सचिव को अनुज्ञेय है :

परन्तु किसी ऐसे व्यक्ति की पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्ति की दशा में, जो केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार के अधीन सेवा में निवृत्त हुआ है और जो पेंशन, उपदान अभिदायी भविष्य निधि में नियोजक के अभिदाय के रूप में कोई सेवानिवृत्ति फायदे या अन्य रूप के सेवानिवृत्ति फायदे या अन्य रूप के सेवानिवृत्ति फायदे या प्राप्त करने का हक्काधारी हो गया है ऐसे पीठासीन अधिकारी के वेतन में से उसके द्वारा प्राप्त या प्राप्त की जाने वाली पेंशन या अभिदायी भविष्य निधि में नियोजक के अभिदाय या किसी अन्य रूप के सेवानिवृत्ति फायदे, यदि कोई लो, की कुल रकम घटा दी जाएगी ।

4. मंहगाई भत्ता और नगर प्रतिकरात्मक भत्ता :—किसी प्रतिभूति अपील अधिकरण का पीठासीन अधिकारी गेम्सी दर में मंहगाई भत्ता और नगर प्रतिकरात्मक भत्ता प्राप्त करने के हकदार होगा जो केन्द्रीय सरकार के समूह "क" अधिकारी जो समतुल्य वेतन प्राप्त कर रहे हैं, को अनुज्ञेय है ।

5. छुट्टी :—(1) किसी प्रतिभूति अपील अधिकरण में पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त होने पर कोई व्यक्ति निष्पालिखित रूप में छुट्टी का हकदार होगा :—

(i) मेशा के प्रत्येक संपूरित कलैण्डर वर्ष या उसके भाग के लिए तीस दिन की दर से उपार्जित छुट्टी;

परन्तु प्रत्येक कलैण्डर वर्ष की पहली जनवरी और पहली जुलाई की छुट्टी लेखा में पन्द्रह-पन्द्रह दिनों की दो किसी में उपार्जित छुट्टी अग्रिम रूप में जामा कर दी जाएगी ।

परन्तु यह और कि पूर्ववर्ती छमाही की समाप्ति पर जमा उपार्जित छुट्टी इस शर्त के प्रधीन रहते हुए अगली छमाही में अग्रनीत की जाएगी कि इस प्रकार अग्रनीत छुट्टी तथा छमाही के लिए जमा की गई छुट्टी दो सौ चालीस दिन की अधिकतम सीमा में अधिक न हो ।

(ii) मेशा के प्रत्येक संपूरित वर्ष की वालत बीम दिन की दर से चिकित्सीय पमाणपत्र या निर्जी काम के लिए अधिकतम छुट्टी और अधिकतम छुट्टी के लिए संबलम उपार्जित छुट्टी के दोगन अनुज्ञेय छुट्टी संबलम के आधे के समतुल्य होगा;

(iii) अर्थ-वेतन पर छुट्टी भारत के राष्ट्रपति के विवेकानन्दसार पूर्ण वेतन रहित छुट्टी में परिवर्तित की जा सकेगी, परन्तु यह तब जब कि वह अग्रस्थिता के आधार पर लाई जाती है और किसी सक्षम चिकित्सा पाधिकारी के चिकित्सीय पमाणपत्र द्वारा समर्थित हो ।

(iv) एक यात्रावधि में वेतन और भत्तों के बिना अधिकतम एक सौ अस्सी दिन की अवधि तक असाधारण छुट्टी ।

6. छुट्टी मंजूरी प्राधिकारी :—भारत के राष्ट्रपति प्रतिभूति अपील अधिकरण के पीठासीन अधिकारी को छुट्टी मंजूर करने के लिए सक्षम प्राधिकारी होंगे ।

7. पेंशन/भविष्य निधि :—यदि पीठासीन अधिकारी का पद किसी मेशा राज्य सरकार या राज्य सरकार के किसी अधिकारी द्वारा भारित है तो प्रतिभूति अपील अधिकरण में की गई उसकी सेशा जिस मेशा से वह सम्बद्ध है, उसके नियमों के अनुमार पेंशन प्राप्ति के लिए पात्र मानी जाएगी । वह अप्पकि माथारण भावन्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियम, 1960 के उपबंधों द्वारा भी शामिल होगा । अन्य सभी मामलों में वह अभिदायी भविष्य निधि (भारत) नियम, 1962 का हकदार होगा ।

8. यात्रा भत्ते :—किसी प्रतिभूति अपील अधिकरण का पीठासीन अधिकारी दौरे या स्थानान्तरण के दोगन (जिसके अन्तर्गत प्रतिभूति अपील अधिकरण में कार्यभार ग्रहण करने के लिए या प्रतिभूति अपील अधिकरण से उसकी पदावधि की समाप्ति पर स्वनगर जाने के लिए की गई यात्रा भी है) यात्रा भत्ते, दोनों भत्ते, वैयक्तिक चीजबस्त के परिवहन और एसी ही अन्य बातों के संबंध में उन्हीं मापमान और उन्हीं दरों से हकदार होगा जो समतुल्य वेतन प्राप्त कर रहे केन्द्र सरकार के समूह "क" के अधिकारियों पर लागू होती हैं ।

9. छुट्टी यात्रा रियायत :—किसी अपील अधिकरण का पीठासीन अधिकारी उन्हीं दरों से और उसी मापमान पर छुट्टी यात्रा रियायत का हकदार होगा जो समतुल्य वेतन प्राप्त कर रहे केन्द्र सरकार के समूह "क" के अधिकारियों पर लागू होते हैं ।

10. सवारी की सुविधा :—किसी प्रतिभूति अपील अधिकरण का पीठासीन अधिकारी स्टाफ कार और प्रत्येक मास डेढ़ सौ लीटर पेट्रोल या प्रत्येक मास आमतौर पर उपभोग किए गए पेट्रोल का इनमें से जो भी कम हो ।

11. चिकित्सीय उपचार की सुविधाएँ :— किसी प्रतिभूति अपील अधिकरण का पीठासीन अधिकारी अभिदायी स्वास्थ्य मेवा स्कीम नियम, 1954 में यथा उपबन्धित चिकित्सीय उपचार अस्पताल सुविधाओं का हकदार होगा और ऐसे स्थानों में जहां केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा स्कीम प्रबंधन में नहीं है, वहां उक्त पीठासीन अधिकारी केन्द्रीय सेवा चिकित्सीय परिचर्या नियम, 1944 में यथा उपबन्धित सुविधाओं का हकदार होगा।

12. नियम 3, नियम 4, नियम 5, नियम 6, नियम 7, नियम 8, नियम 9, तथा नियम 10 में निहित किसी बात के होते हुए भी —

- (क) अधिनियम की धारा 15 ड., के खण्ड (क) के अन्तर्गत प्रतिभूति अपील अधिकरण के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त उच्च न्यायालय का कोई न्यायाधीश मासिक वेतन और भत्तों तथा सेवा के अन्य लाभों का उसी दर से हकदार होगा, जैसा कि उसे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में अनुमेय है; अथवा
- (ख) अधिनियम की धारा 15 ड., के खण्ड (क) के अन्तर्गत प्रतिभूति अपील अधिकरण के पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश को जिस अवधि तक वह पीठासीन अधिकारी के रूप में कार्य करता है, पेशन तथा सेवानिवृत्ति लाभों के किसी अन्य रूप के समतुल्य पेशन सहित इनां वेतन देय होगा जो सेवानिवृत्ति के पूर्व उसके द्वारा आहरित अन्तिम वेतन से अधिक नहीं होगा। वह ऐसे भत्तों एवं अन्य लाभों का हकदार होगा, जो कि उच्च न्यायालय के सेवारत न्यायाधीश को अनुमेय है।

13. अविशिष्टीय उपबन्ध :— किसी प्रतिभूति अपील अधिकरण के पीठासीन अधिकारी की सेवा शर्तों से संबंधित वे मामले, जिनकी आबत इन नियमों में कोई अभिव्यक्ति उपबन्ध नहीं किया गया है, प्रत्येक मामले में केन्द्रीय सरकार को उसके विनिश्चय के लिए निर्दिष्ट किए जाएंगे और केन्द्रीय सरकार का उन पर विनिश्चय उक्त पीठासीन अधिकारी पर आवश्यक होगा।

14. शिथिल करने की शक्ति :— केन्द्रीय सरकार को, इन नियमों के किन्हीं उपयंधों को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की आबत शिथिल करने होगी।

[एफ. सं. 5/30/सी.एम./95]

मू. शरत चन्द्रन, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th July, 1997

G.S.R. 427 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 150 read with clause (db) of sub-section (2) of section 29 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and Commencement.—(1) These rules, may be called the Securities Appellate Tribunal (Salaries and allowances and other conditions of service of the Presiding Officer) Rules, 1997.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) “Act” means the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992);
- (b) ‘Presiding Officer’ means a person appointed as Presiding Officer of the Securities Appellate Tribunal under section 15 L of the Act;
- (c) “Rules” means the Securities Appellate Tribunal (Salaries allowances and other terms and conditions of service of the Presiding officer) Rules, 1997;
- (d) all other words and expressions used and not defined in these rules but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. Salary:—The presiding Officer of a Securities Appellate Tribunal shall be paid such salary as admissible to an Additional secretary to the Government of India:

Provided that in the case of an appointment of a person as a Presiding Officer, who has retired from service under the Central Government or a State government and who is in receipt of or has received or has become entitled to receive any retirement benefit by way of pension, gratuity, employer's contribution to the Contributory Provident Fund or other forms of retirement benefits, the pay of such Presiding Officer shall be reduced by the gross amount of pension or employer's contribution to the Contributory Provident fund or any other form of retirement benefit, if any, drawn or to be drawn by him.

4. Dearness Allowance and City Compensatory Allowance.—The Presiding Officer of the Securities Appellate Tribunal shall be entitled to receive dearness allowance and city compensatory allowance at the rate admissible to Group ‘A’ officers of the Central Government drawing an equivalent pay.

5. Leave.—A person, on appointment as a Presiding Officer in the Securities Appellate Tribunal shall be entitled to

leave as follows:—

- (i) Earned Leave at the rate of thirty days for every completed calendar year of service or a part thereof
Provided that the leave account shall be credited with earned leave, in advance, in two instalments of fifteen days each on the first day of January and July of every calendar year:
Provided that the leave account shall be credited with the close of previous half-year shall be carried forward to the next half year, subject to the condition that the leave so carried forward plus credit for the half year do not exceed the maximum limit of two hundred and forty days;
- (ii) half pay leave on medical certificate or on private affairs at the rate of twenty days in respect of each completed year of service and the leave salary for half pay leave shall be equivalent to half of the leave salary admissible during the earned leave;
- (iii) leave on half pay may be commuted to full pay leave at the discretion of the President of India, provided it is taken on medical ground and is supported by a medical certificate by a competent medical authority;
- (iv) extraordinary leave without pay and allowances upto a maximum period of one hundred and eighty days in one term of office.

6. **Leave Sanctioning Authority.**—The President of India shall be the authority competent to sanction leave to the Presiding Officer of the Securities Appellate Tribunal.

7. **Pension And Provident Fund.**—In case a serving officer of the Central Government or State Government is appointed as the Presiding Officer, the service rendered in the Securities Appellate Tribunal will count for pension to be drawn in accordance with the rules of the service to which he belongs. He shall also be governed by the provisions of the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960. In all other cases, a person shall be entitled to Contributory Provident Fund (India) Rules, 1962.

8. **Travelling Allowances.**—The Presiding Officer of the Securities Appellate Tribunal while on tour or on transfer (including the journey undertaken to join the Securities Appellate Tribunal or on the expiry of his term with the Securities Appellate Tribunal to proceed to his home town) shall be entitled to the travelling allowances, daily allowances, transportation of personal effects and other similar matters at the same scales and at the same rates as are applicable to Group 'A' Officers of the Central Government drawing an equivalent pay.

9. **Leave Travel Concession.**—The Presiding Officer of an Appellate Tribunal shall be entitled to leave travel concession at the same rates and at the same scale as are applicable to Group 'A' Officers of the Central Government drawing an equivalent pay.

10. **Facility of Conveyance.**—The Presiding Officer of the Securities Appellate Tribunal shall be entitled to a staff car and one hundred and fifty litres of petrol every month or actual consumption of petrol per month, whichever is less.

11. **Facilities for Medical Treatment.**—The Presiding Officer of a Securities Appellate Tribunal shall be entitled to medical treatment and hospital facilities as provided in the Contributory Health Services Scheme Rules, 1954 and in places where the Central Health Services Scheme is not in operation, the said Presiding Officer shall be entitled to the facilities as provided in the Central Services Medical Attendance Rules, 1944.

12. Notwithstanding anything contained in rule 3, rule 4, rule 5, rule 6, rule 7, rule 8, rule 9 and rule 10,—

(a) a Judge of a High Court appointed under clause (a) of section 15M of the Act as Presiding Officer of a Securities Appellate Tribunal, shall be entitled to a monthly salary and allowances and other benefits of service at the same rate as is admissible to him as a Judge of a High Court; or

(b) a retired Judge of a High Court appointed, under clause (a) of section 15M of the Act, as Presiding Officer of a Securities Appellate Tribunal, shall be paid for the period he serves as Presiding Officer, such salary which, together with his pension and pension equivalent of any other form of retirement benefits, shall not exceed the last pay drawn by him before retirement. He shall be entitled to such allowances and other benefits as are admissible to serving Judge of a High Court.

13. **Residuary Provision.**—Matters relating to the conditions of service of the Presiding Officer of a Securities Appellate Tribunal with respect to which no express provision has been made in these rules, shall be referred in each case to the Central Government for its decision and the decision of the Central Government thereon shall be binding on the said Presiding Officer.

14. **Power to relax.**—The Central Government shall have power to relax the provisions of any of these rules in respect of any class or category of persons

[F. No. 5/30/CM/95]

U. SARAT CHANDRAN Jt. Secy.

